CMYK

www.maharashtracrimes.in
Email : editor@maharashtracrimes.in
www.maharashtracrimes.blogspot.in
maharashtracrimes@gmail.com

RNI NO. : MAHHIN/1998/02261

महाराष्ट्र क्राईम्स

वर्ष 21 | अंक 08 | मुंबई, 05 जून 2022 | पृष्ठ : 8 | कीमत : 5 रुपये | प्रधान संपादक : सिराज चौधरी

मुलुंड पोलीस ठाणे के प्रभारी श्री कांतीलाल कोथिंबिरी ने किया पद का दुरुपयोग !

वेश्यालय को दिया कानूनी कवच...

वह रोती है पीछे, जब निकलू घर से बाहर
वो राह ताके के मेरी, जब तक ना आये मै घर
छोड़ के पीछे हर रोज घर लौटके आऊ,
बस मै यह कह दू ...
कैसे समझाऊ इस बात को मैं बतलाऊ
ये कर्ज है मेरी खाकी, का मुझे इसको चुकाना है।
अपने वतन के खातीर, चाहे जान गंवाना है
ये कर्ज है मेरे खाकी, का मुझे इसको चुकना है।

दत्ता माने

इस गीत की चंद पंक्तीया हैं मुलुंड पोलीस ठाणे प्रभारी श्री कांतीलाल कोथिंबिरे के लिए. कांतीलाल कोथिंबिरे एक हरफनमौला जांबाज अधिकारी के रूप में जाने जाते थे. जी हा !जाने जाते थे. अभी नही.. रुपयों की लालच ने उनके आँखो में मोतियाबिंद आ गया है. बृहन्मुंबई पुलीस कमिशनर श्री संजय पांडे द्वारा या एंटी करप्शन ब्युरो द्वारा इनके लालची मोतिया बिंदू का ऑपरेशन होना जरूरी है. यही दो सर्जन इनके लालची मोतिया बिंदू ऑपरेशन के योग्य है. यदि ऐसा नहीं हुआ तो अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारीयों में यह रुपयों का लालची मोतिया बिंदू फैल जायेगा और मुंबई महानगरी वेश्यावृत्ति व्यवसाय की राजधानी बनकर रहेगीी. मुलुंड पोलीस थाना एक ऐसा पोलीस थाना है जिसके कार्यक्षेत्र मे लेडीज बार, स्पा मसाज पार्लर के नाम के आड में वेश्याव्यवसाय चलते है. तनखा इस अवैध रकम के सामने बहुत ही मामुली सी है . मुलुंड पोलीस थाना के वर्तमान प्रभारी श्री कांतीलाल कोथिंबिरीने जब यहाँ का प्रभारी पद भार संभाला तो हमे ऐसा लगा कि अभी मुलुंड पोलीस ठाणे के कार्यक्षेत्र को श्री कोथिंबिरे मसाज पार्लर के चल रहे वेश्याव्यवसाय, लेडीज बार, जुआरी अड्डे व अन्य गैर कानूनी धंदो को

तक्रार अर्ज के पहले का छायाचित्र

तक्रार अर्ज के बाद का छायाचित्र

उससे पुलीस को अवैध रूप असे कई लाख रुपयों की अवैध आमदनी होती है. सरकार से मिलनेवाली मासिक ध्वस्त कर मुलुंड पोलीस ठाणे को गौरव प्राप्त कर देंगे. लेकिन हुआ इसके विपरीत. (पेज ८ पर....)

भारत की नागरिकता न मिलने पर सैकड़ों पाकिस्तानी हिंदू वापस लौटे...

भारत की नागरिकता पाने के मकसद से राजस्थान में रह रहे करीब 800 पाकिस्तानी हिंदू साल 2021 में आसपास के देशों में लौट गए. भारत में पाकिस्तानी अल्पसंख्यक प्रवासियों के हक की आवाज उठाने वाली संस्था सीमांत लोक संगठन (एसएलएस) ने ये दावा किया है.

नागरिकता आवेदन के बाद प्रक्रिया में कोई प्रगति न देखने के बाद इनमें से कई प्रवासी हिंदू तो वापस पाकिस्तान लौट गए. ये आँकड़े साल 2021 के हैं. एसएलएस के अध्यक्ष हिंदू सिंह सोढा के हवाले से अखबार ने लिखा है, ह्लएक बार वे वापस लौट गए तो पाकिस्तानी एजेंसियां उनका इस्तेमाल भारत को बदनाम करने के लिए करती हैं. उन्हें मीडिया के सामने लाया गया और ये बयान देने को मजबूर किया गया कि भारत में उनके साथ बुरा बर्ताव हुआ.'

गृह मंत्रालय ने साल 2018 में नागरिकता आवेदन की ऑनलाइन प्रक्रिया शुरू की थी. मंत्रालय ने सात राज्यों में 16 कलेक्टरों को भी ये ज़िम्मेदारी दी थी कि वे पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आए हिंदू, ईसाई, सिख, पारसी, जैन और बौद्धों नागरिकता देने के लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार करे.

विश्व पर्यावरण दिन के अवसर पर कासारी नदी का गला घोटा गया

कलंबोली पोलिस थाना के प्रभारी संजय पाटील पर कारवाई करने की मांग

दत्ता माने

दिनांक 5 जून 2022 को हर साल की तरह संपूर्ण विश्व मे 'विश्व पर्यावरण दिन' मनाया गया. नवी मुंबई पोलिस कमिशनर कार्यक्षेत्र के कळंबोली पुलिस थाना की हद में भी विश्व पर्यावरण दिन बडी धूमधाम से मनाया गया. कलंबोली मे पर्यावरण दिन मनाया जा रहा था तब ह्लकासाडी नदी ह्ल उसकी जान बचाने है तु फुटकर रो रही श्री .एक जमाने मे शिरवली भेकरे गांव से उगम पाकर तलोजा क्षेत्र से कलंबोली क्षेत्र की जीवनवाहिनी कहलाने वाली कासाडी नदी आज स्वयम्-मृतावस्था में है. तलोजा एमआयडीसी की रसायन उत्पादक कंपनी का विषैला पानी बिना

किसी प्रक्रिया के नदी मे छोड रही है. 'महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड' के अधिकारी इस बात को अनदेखा कर रहे है. महाराष्ट्र क्राईम्स ने इस विषय पर कई बार आवाज उठाई, लेकिन इन कामचोर अधिकारी पर कोई प्रभाव नही पडा है. कुछ दिन पहले कासाडी नदी मे शीव पनवेल महामार्ग पर कामोठे फ्लाय ओव्हर ब्रिज के नीचे जहां पर नदी खाडी को मिलती है वहां पर कुछ समाजकंटक रसायनयुक्त टँकर खाली करते थे. (पेज ८ पर....)

सरकारी अफसरों की खान है ये खाँन परिवार

3 IAS, 1 IPS, 4 RAS और DIG, कर्नल, ब्रिगेडियर सहित 14 अफसर है इस मुस्लिम परिवार में

राजस्थान : राजस्थान में फौजियों वाले जिले झुंझुनूं के गांव नूआं में बड़ी कोठड़ी के पास नायब सुबेदार हयात अली मोहम्म खान और शरीफन बानो का घर है, जो अफसरों की खान है। यहां आईएएस, आईपीएस व आरएएस जैसे बड़े अफसर पैदा हुए हैं।

गांव नूआं के इस कायमखानी मुस्लिम परिवार ने प्रशासनिक सेवा ही नहीं बल्कि इंडियन आर्मी को भी बेहतरीन अफसर दिए हैं। कलेक्टर, आईजी समेत यहां से ब्रिगेडियर व कर्नल निकले हैं। इस अकेले परिवार में बेटा, बेटी, भानजे व दामाद को मिलाकर 14 अफसर हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी पद से रिटायर हुए नईम अहमद खान ने वन इंडिया हिंदी से बातचीत में नूआं के अफसरों वाले परिवार की कामयाबी की पूरी कहानी बयां की। नईम अहमद खान कहते हैं कि आसपास के गांवकस्बों में सबसे पहले हायर सैकंडरी स्कूल हमारे गांव नूआं में खुला था। लियाकत खान उसके पहले सत्र के स्टूडेंट थे, जो पहले आरपीएस और फिर आईपीएस बने।

1. लियाकत खान, आईपीएस

लियाकत खान का साल 1972 में आरपीएस के रूप में चयन हुआ। पदोन्नति पाकर आईपीएस बने और आईजी के पद से रिटायर हुए। ये वक्फ बोर्ड के चेयरमैन भी रहे। साल 2020 में इनका इंतकाल हो गया।

2. अशफाक हुसैन, आईएएस

पूर्व आईपीएस लियाकत खान के छोटे भाई अशफाक हुसैन का चयन साल 1983 में बतौर आरएएस हुआ। 2016 में इन्हें आईएएस के रूप में पदोन्नति मिली। (पेज ८ पर....)

CMYK

संपादकीय

कश्मीर में निशाना...!

अगर जम्मू-कश्मीर में एक समुदाय को लक्ष्य बनाकर हमले का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा, तो यह न केवल गहरे दुख, बल्कि पुरजोर निंदा का भी विषय है। गुरुवार को आतंकी ने कुलगाम में एक बैंक में घुसकर मैनेजर विजय कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी। अस्पताल पहुंचने से पहले ही राजस्थान के इस युवा बैंककर्मी ने दम तोड़ दिया। अभी मंगलवार को ही आतंकियों ने कुलगाम में ही एक सरकारी स्कूल टीचर रजनी बाला की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इससे पहले बडगाम में तहसील परिसर में घुसकर कर्मचारी राहुल भट की हत्या कर दी गई थी। इस बीच कश्मीरी पंडितों का आंदोलन भी चल रहा है और वे अपनी सुरक्षा तय किए जाने की मांग कर रहे हैं। गौर करने की बात है कि पांच महीने में यह 17वीं 'टारगेट किलिंग' है। जाहिर है, घाटी में खौफ का आलम है। जनवरी महीने से ही ऐसी हत्या या कायरता को आतंकी अंजाम दे रहे हैं। दिक्कत यह है कि घाटी में हर किसी को सुरक्षा देना व्यावहारिक भी नहीं है। आतंकी आसानी से अपनी कायरता का प्रदर्शन कर रहे हैं, क्या उनमें कोई खौफ नहीं है?

अब जमीनी स्तर पर जहां लोगों के खौफ को दूर करने के लिए काम करना चाहिए, तो वहीं उच्च स्तर पर यह रणनीति बदलने का भी समय है। कश्मीर में कुछ सामान्य होते माहौल की वजह से ही वहां अल्पसंख्यक समुदाय अपने काम पर लौटता दिख रहा है, लेकिन आतंकी नहीं चाहते कि कश्मीर में स्थितियां सामान्य हों। अभी बुधवार को ही जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने हिंदुओं और सिखों को सुरक्षित ठिकानों पर पोस्टिंग देने की बात कही थी, लेकिन ताजा हमले ने चिंता और बढ़ा दी है। यह संदेश जाने लगा है कि घाटी में प्रवासी और अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं हैं। ऐसे में, कुछ लोग इस प्रचार में जुट गए हैं कि घाटी से लोग फिर पलायन के लिए तैयार हैं। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि घाटी में पलायन का माहौल फिर से न बने। अगर थोड़ा भी पलायन हुआ, तो सरकार की बड़ी कोशिशों पर पानी फिर जाएगा और बाकी देश में भी सांप्रदायिकता की वजह से माहौल खराब होगा। सद्भाव और परस्पर विश्वास बनाए रखने के लिए ऐसे आतंकी व अलगाववादी तत्वों की जितनी निंदा हो, कम है। जिन लोगों से ऐसी हिंसा की भर्त्सना की उम्मीद की जा रही है, उन्हें अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटना चाहिए। यह सकारात्मक बात है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के स्तर पर सक्रियता बढ़ी है और भले कोई बड़ी घोषणा न हुई हो, लेकिन जमीनी स्तर पर सुरक्षा का एहसास बढ़ना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री और कश्मीर के उप-राज्यपाल की मुलाकात की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहे लोग घाटी में कम नहीं होंगे। जो लोग निशाना बनाए जा रहे हैं, वे पूरे देश के प्रतिनिधि की तरह हैं। ये लोग सद्भाव और देश के प्रति निष्ठा के प्रतिनिधि हैं, ऐसे लोगों की रक्षा सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी लोगों को बड़ी उम्मीदें होंगी। ध्यान रहे, घाटी से जो महापलायन 1990-91 में हुआ था, उसके लिए तत्कालीन प्रशासन को आज भी दोषी ठहराया जाता है। अब असुरक्षित महसूस कर रहे लोगों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है, तो इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। कश्मीर में कर्मचारियों को उनकी मुफीद जगह पर ही तैनात करना चाहिए। कश्मीर में विकास तेज हुआ है, तो लोगों को संवेदना और सुरक्षा की तलाश है, जो भी मुट्ठी भर रोड़े राह में आ रहे हैं, उन्हें जल्द से जल्द ठिकाने लगाना होगा।

विश्वविद्यालयों में नियुक्तियां...!

न्यूटन का तीसरा नियम है कि हर क्रिया के बराबर विपरीत प्रतिक्रिया होती है। बंगाल में इस नियम को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में घटित होते हुए देखा जा सकता है। राज्यपाल ने उच्च शिक्षा से संबंधित कुछ फाइलें रोकीं तो उसकी प्रतिक्रिया में राज्य मंत्रिमंडल ने सर्वसम्मति से निर्णय कर लिया कि राज्य के विश्वविद्यालयों में अब कुलाधिपति का पद राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री संभालेंगी। इस तरह की पहल राजस्थान, तमिलनाडु और तेलंगाना की सरकारों ने भी की है। कुछ अन्य राज्यों में यह व्यवस्था बहुत पहले से है। महत्वपूर्ण यह नहीं है कि कुलाधिपति का पद राज्यपाल के पास रहे या मुख्यमंत्री के पास, महत्वपूर्ण यह है कि विश्वविद्यालय शैक्षणिक सुधारों के बजाय राजनीतिक हितों के पोषण का केंद्र न बनने पाएं।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति केंद्र सरकार और राज्यों के विश्वविद्यालयों में राज्य सरकारें करती हैं। जिस राज्य में जिस पार्टी की सरकार होती है, वह अपने चहेतों को कुलपति नियुक्त करती है। हर राज्य में इस तरह के उदाहरण हैं। कोई पार्टी इस दोष से मुक्त नहीं है। यदि कुलपति की नियुक्ति इस आधार पर होगी कि वह सत्तारूढ़ दल या उसके मुखिया का कितना करीबी है तो क्या उससे शैक्षणिक सुधार लाने की उम्मीद बेमानी नहीं होगी? कहने की जरूरत नहीं कि नियुक्तियां योग्यता और प्रतिभा के आधार पर होनी चाहिए, न कि राजनीतिक पसंद के आधार पर। विश्वविद्यालय मेधाओं का निर्माण करते हैं। यदि राजनीतिक विचारधारा के कारण मेधाओं की उपेक्षा होगी तो उसके घातक परिणाम होंगे। सवाल है कि राजनीतिक नापसंद के कारण मेधाओं को खारिज कर क्या शिक्षा के क्षेत्र में कोई गुणात्मक परिवर्तन आ सकता है? राजनीतिक दलों में वह विवेक कब आएगा कि मेधा को यथोचित मान मिले-चाहे वह मेधा किसी भी विचारधारा से युक्त हो। कहने के लिए विश्वविद्यालय स्वायत्त हैं, किंतु प्रायः देखा जाता है कि राजनीतिक पसंद-नापसंद के आधार पर सरकारें विश्वविद्यालयों को धन आवंटित करती हैं। राज्याश्रित होने के कारण विश्वविद्यालयों को राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ता है। राज्यों के विश्वविद्यालय संसाधन की कमी के कारण समस्याग्रस्त रहते हैं और सरकार के मुखापेक्षी बने रहते हैं। प्राचीन काल में शिक्षा राज्याश्रित नहीं थी। इसीलिए तब गुरु की स्वतंत्र सत्ता होती थी। तब शिष्यों को नैतिक और बौद्धिक रूप से गुरु गढ़ता था और शिष्य के व्यक्तित्व के निर्माण को अपना धर्म मानता था। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण की दृष्टि से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 बेहद तात्पर्यपूर्ण है। भारत में शिक्षा के क्षेत्र में दवे सुधार वर्षों पहले हो जाने चाहिए थे, जिनकी संकल्पना अब जाकर की गई है। विडंबना है कि शिक्षा के तमाम पाठ्यक्रम, जिन्हें अब कार्यक्रम कहा जा रहा है, पुराने ढर्रे के हैं। कोई भी शैक्षणिक सुधार पाठ्यक्रम को एकांगी होने के दोष से बचाकर, उच्च शिक्षा तथा शोध का मान उन्नत करके ही संभव है। शोध का मान तब उन्नत होगा, जब गंभीर शोध और सतत अध्ययन का रचनात्मक परिवेश निर्मित हो। यह परिवेश निर्मित कर ही युवा शक्ति को सकारात्मक और सृजनशील ढंग से ऊर्जस्वित किया जा सकता है, पर त्रासदी है कि उच्च शिक्षा की विषय वस्तु और प्रक्रिया प्रायः विदेशी ज्ञान को मानक मानकर की जाती रही है, जिसके परिणामस्वरूप हम अपनी परंपरा से कटकर दूर चले गए हैं। अपनी अवधारणा से दूर होकर और यथास्थिति को कायम रखकर कोई सुधार संभव नहीं है। इतिहास जैसे विषय के पाठ्यक्रम अभी भी एकांगी बने हुए हैं। इससे न तो शिक्षा अद्यतन हुई, न सम्यक इतिहास अध्ययन की गुणवत्ता सुनिश्चित हुई। शिक्षा का उद्देश्य मूल्यों की स्थापना और चरित्र का निर्माण करना है। क्या हमारा पाठ्यक्रम ऐसा है, जो नई पीढ़ी को नैतिक दृष्टि से सबल और चरित्रवान बनाता हो और उसे देश की सांस्कृतिक थाती से परिचित कराता हो? समाज में वर्ग, लिंग तथा आयु के प्रति छात्रों को संवेदनशील बनाता हो और समतामूलक समाज की अवधारणा को अपनाता हो? जो ज्ञानार्जन को संभावनाओं और सर्जनात्मक प्रक्रियाओं से जोड़ता हो? यह सच्चाई है कि शिक्षा आज भी इन लक्ष्यों को हासिल नहीं कर सकी है। आज की शिक्षा न दुराग्रहों से मुक्त है, न राजनीतिक बाधाओं से। आज की शिक्षा समावेशी भी नहीं है। आज तक न तो एकसमान पाठ्यक्रम लागू हो पाया, न एकसमान शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

अब तुर्किये बोलिए ...!

तुर्की ने अपना नाम बदलकर तुर्किये कर लिया और संयुक्त राष्ट्र से आधिकारिक रूप से इस नाम को मंजूरी भी मिल गई। तुर्की ने अपनी ओर से तुर्किये नाम को बीते दिसंबर में ही तय कर लिया था। तुर्की और तुर्किये में भला क्या अंतर है? दरअसल, स्थानीय भाषा में तुर्किये ही लिखा-बोला जाता है, तुर्की नाम तो बाकी दुनिया के लोगों ने रख दिया था। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन तुर्की नाम को गुलामी का प्रतीक मानते हैं, इसलिए वह तुर्किये नाम के पक्ष में अभियान चला रहे थे और उन्हें कामयाबी हासिल हुई है। अब पाठ्यपुस्तकों से लेकर खबरों तक तुर्की शब्द का लोप हो जाएगा और तुर्किये शब्द प्रचलन में आ जाएगा। विख्यात लेखक शेक्सपियर ने कहा था, 'नाम में क्या रखा है?' इसका एक माकूल जवाब हिंदी के ख्यात साहित्यकार हजारी प्रसाद द्विवेदी ने दिया था, 'नाम इसलिए बड़ा नहीं है कि वह नाम है। वह इसलिए बड़ा होता है कि उसे सामाजिक स्वीकृति मिली होती है। रूप व्यक्ति-सत्य है, नाम समाज-सत्य। नाम उस पद को कहते हैं, जिस पर समाज की मुहर लगी होती है, आधुनिक शिक्षित लोग जिसे सोशल सैक्शन कहा करते हैं। मेरा मन नाम के लिए व्याकुल है, समाज द्वारा स्वीकृत, इतिहास द्वारा प्रमाणित, समष्टि मानव की चित्त गंगा में स्नात।' नाम वाकई भाव, प्रभाव और विचारों पर असर डालता है। तुर्किये अगर आज नाम बदलकर गौरव का एहसास कर रहा है, तो उसे इसका हक है। तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन का मानना है कि तुर्किये नाम से देश का इतिहास झलकता है और यह देश की संस्कृति व सभ्यता का प्रतिनिधित्व करता है। स्वतंत्रता की घोषणा के बाद इस देश ने 1923 में खुद को तुर्किये ही कहा था। बाद में एक पक्षी तुर्की नाम से प्रसिद्ध हुआ, तो कैंब्रिज शब्दकोश में तुर्की शब्द का मतलब एक ऐसी चीज से भी है, जो बुरी तरह नाकाम हो गई हो। नाम बदलने वाला तुर्किये कोई पहला देश नहीं है, हम अपने पड़ोस में ही अगर देखें, तो बर्मा ने अपना नाम म्यांमार कर लिया और सीलोन ने अपना नाम श्रीलंका। दूर की बात करें, तो दक्षिण रोडेशिया बन गया जिम्बाब्वे, तो स्वाजीलैंड बन गया इस्वातिनी। नाम बदलने की प्रक्रिया में लगभग हर जगह गुलामी या थोपे गए नाम से आजादी की कोशिश ही झलकती है। आज दुनिया का शायद ही कोई ऐसा राष्ट्र होगा, जो अपनी गुलामी के दौर की यादों को सहेजकर रखना चाहता होगा। नए दौर में धन की आजादी के साथ ही मन की आजादी की भी दुनिया में हवा चल रही है। लोग अपनी जड़ों की ओर लौटना चाहते हैं, तो देशों को भी लौटना होगा। इसमें कुछ गलत नहीं है, हर कोई अपनी मजबूत बुनियाद पर खड़े होने की कोशिश में है। वर्तमान बुनियाद यदि मजबूत नहीं है, तो इतिहास में बुनियाद की तलाश हो रही है। कलकत्ता से कोलकाता, मद्रास से चेन्नई, बॉम्बे से मुंबई, बंगलोर से बेंगलुरु, मैसूर से मैसुरु तक का सफर हमने भी तो तय किया है। हम लगातार अपनी जगहों और सड़कों के नाम बदल रहे हैं।

शिवसेना से नाराज हुए मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप !

मुंबईः महाविकास अघाड़ी सरकार के नेताओं में लगातार उथल-पुथल का माहौल नजर आ रहा है. शिव संपर्क अभियान के मौके पर शिवसेना सांसदों ने राकांपा के फंड आवंटन पर नाराजगी जाहिर की. हाल ही में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि एनसीपी ने हमारी पीठ में छुरा घोंपा है।

अब इस विवाद में नगर निगम आरक्षण की एक और चिंगारी निकली है। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप ने आरोप लगाया कि मुंबई नगर निगम के आरक्षण ड्रा में हमारे साथ गलत व्यवहार किया गया है और शिवसेना उचित न्याय नहीं दे रही है। इतना ही नहीं कांग्रेस ने कोर्ट जाने की भी भूमिका निभाई है। इसलिए देखा जा रहा है कि माविया में सियासत खूब गरमा गई है. मुंबई कांग्रेस द्वारा पनवेल में संकल्प शिविर का आयोजन किया गया है। वह उस समय बात कर रहा था। शिविर में अभिभावक मंत्री असलम शेख, स्कूल शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ और अन्य पदाधिकारियों ने भाग लिया। इस मौके पर भाई जगताप ने कहा कि मुंबई नगर निगम को लेकर राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट के बंगले पर 2-3 बैठकें हुईं. शिवसेना हमारी किसी भी मांग को पूरा नहीं कर रही है। इसलिए हम परेशान हैं। केवल 23 सीटें अनारक्षित रह गईं। कांग्रेस के 21 पार्षदों के वार्ड में आरक्षण था। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर आयुक्त इकबाल सिंह चहल शिवसेना के दबाव में काम कर रहे हैं।

जालसाज ने खुद को बताया 'आयकर अधिकारी'...!

ऑनलाइन धोखाधड़ी की कोशिश, केस दर्ज

मुंबई : इंटरनेट ने हम सभी के जीवन को पूरी तरह से बदल दिया है। पिछले कुछ सालों में इंटरनेट बैंकिंग या मोबाइल बैंकिंग ने हमारे ट्रांजैक्शन के तौर तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। आजकल लोग शॉपिंग से लेकर मेडिसिन तक ऑनलाइन खरीदते हैं। लेकिन इंटनेट के बढ़ते इस्तेमाल के साथ-थाथ ऑनलाइन फ्रॉड के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। मुंबई की एक वरिष्ठ महिला आयकर अधिकारी को भी ऐसे ही ऑनलाइन धोखा देने की कोशिश का मामला सामने आया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि एक जालसाज ने कथित तौर पर मुंबई की एक वरिष्ठ आयकर अधिकारी के रूप में खुद को पेश किया और उसकी तस्वीर का इस्तेमाल करके अपने सहयोगियों को एक ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म के गिफ्ट कार्ड खरीदने के लिए फोन पर रिक्वेस्ट भेजकर उन्हें धोखा देने की कोशिश की।

आजाद मैदान पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि इस समय मुंबई में आयकर विभाग में मुख्य आयुक्त के पद पर तैनात महिला ने हाल ही में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने कहा, 'महिला, जो एक भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी (IRS) हैं, ने अपनी शिकायत में कहा कि उसे चेन्नई में अपने सहयोगियों को यह बताने के लिए फोन आया कि उन्हें फोन नंबर्स से मैसेज मिले हैं, मैसेज भेजने वाले ने खुद को उसके रूप में पेश किया और उनसे एक ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी के गिफ्ट कार्ड की खरीददारी करने का अनुरोध किया।' महिला को पहले चेन्नई में तैनात किया गया था और इसी साल अप्रैल में यहां आईटी कार्यालय में ट्रांसफर कर दिया गया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जालसाज ने कथित तौर पर महिला अधिकारी की तस्वीर वॉट्सऐप अकाउंट पर उन नंबरों पर प्रदर्शित की जिनसे संदेश उसके सहयोगियों को भेजे गए ते ताकि गिफ्ट कार्ड की रिक्वेस्ट को वास्तविक बनाया जा सके। आजाद मैदान थाने के वरिष्ठ निरीक्षक भूषण बेलनेकर ने बताया कि प्राथमिकी सूचना के आधार पर हमने भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है जिसमें 420 (धोखाधड़ी) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के प्रावधान शामिल हैं। आगे की जांच जारी है।

७०० से अधिक उद्यानों और लाखों पेड़ों करती है देखभाल, मनपा को अर्थ केयर अवॉर्ड

मुंबई : मुंबई में पर्यावरण समृद्धि में उत्कृष्ट योगदान और संघर्ष के तौर पर लगातार काम करनेवाली मनपा को हाल ही में बहुप्रतिष्ठित 'अर्थ केयर अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे के हाथों मनपा की तरफ से उद्यान अधीक्षक जितेंद्र परदेशी ने स्वीकार किया। इस बीच बताया गया कि मनपा ने ७०० से अधिक उद्यानों और लाखों पेड़ों की देखभाल बिल्कुल पारंपरिक तरीके से की है। बता दें कि यह राष्ट्रीय पुरस्कार उन संस्थानों को दिया जाता है, जिन्होंने पर्यावरण क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। मतलब मनपा के उत्तम कार्यों का उसे इनाम मिला है। मुंबई के नरीमन प्वाइंट स्थित एनपीसीआई के टाटा थियेटर में शुक्रवार की देर शाम आयोजित भव्य समारोह में मुंबई मनपा उद्यान विभाग कौ अर्थ केयर अवार्ड' से गौरवान्वित किया गया। टुवड्र्स क्लाइमेट सिलिएंट एंड ग्रीन मुंबई नामक उद्यान विभाग के महत्वाकांक्षी परियोजना कौ अर्बन सेंटर क्लाइमेट चेंज मैनेजमेंट' की श्रेणी के तहत सम्मानित किया गया है।

प्रयागराज की तरह संभाजी नगर के बारे में फैसला करे केंद्र - संजय राउत

मुंबई : राज्यसभा चुनाव की पृष्ठभूमि पर शिवसेना नेता संजय राउत कहा कि यह चर्चा का विषय नहीं है कि कौन किससे मिलता है और क्या करता है। इस बार संजय राउत ने देवेंद्र फडणवीस को जवाब दिया। तब उनके पास पर्याप्त संख्या थी। लोकतंत्र में आप तब तक नहीं जीत सकते जब तक आपके पास ताकत न हो।

विपक्ष को एकजुट करने की शरद पवार की ताकत -

ईडी की कार्रवाई के बारे में पूछे जाने पर मैंने जवाब दिया है। यह काम नहीं करता है। संजय राउत ने कहा, अगर मैं निशाना हूं तो मुझे गिरफ्तार करो। इस समय गठबंधन को लेकर बालासाहेब ठाकरे और शरद पवार बयानों के बारे में पूछे जाने पर मैंने कहा कि शरद पवार और शिवसेना के साथ आने की भूमिका थी. उन्होंने बार-बार कहा है कि पवार को देश का नेतृत्व करना चाहिए और हम महाराष्ट्र का नेतृत्व करेंगे। संजय राउत ने कहा कि हमारी भूमिका यह है कि शरद पवार में इस देश में विपक्ष को एकजुट करने की ताकत है।

आइए देखते हैं 2024 में प्रधानमंत्री पद का विषय -

इस बार जब उनसे प्रधानमंत्री के तौर पर उद्धव ठाकरे के बयान के बारे में पूछा गया तो मैं प्रधानमंत्री पद की नहीं बल्कि देश का नेतृत्व करने की उनकी क्षमता की बात कर रहा हूं। अब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धवजी हैं। आइए नजर डालते हैं 2024 में प्रधानमंत्री पद के विषय पर। इस समय, उन्होंने नाम बदलने के मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए कहा कि औरंगाबाद में बैठक बहुत बड़ी होगी। अब आप संभाजीनगर का नाम ले रहे हैं। प्रयागराज के फौरन बाद केंद्र ने फैसला लिया तो महाराष्ट्र से प्रस्ताव चला गया है।

अबू आजमी ने तरेरी आंख पूछा सवाल, आघाड़ी सेक्युलर या नवहिंदुत्ववादी?

मुंबई : राज्यसभा चुनाव के ठीक पहले समाजवादी पार्टी ने महाविकास आघाड़ी सरकार के क्रियाकलापों पर वितरीत टिप्पणी करके सरकार की मुश्किलें बढ़ा दी है। महाराष्ट्र में सपा के दो विधायक हैं और ये वोट किसी भी प्रत्याशी की हार-जीत का फैसला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। समाजवादी पार्टी महाराष्ट्र-मुंबई के अध्यक्ष और विधायक अबू आसिम आजमी ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लिखे पत्र में सवाल किया कि क्या महाविकास आघाड़ी सेक्युलर है या फिर आघाड़ी का चेहरा नए हिंदुत्व का है? जिसकी बात आप-बार-बार करते हैं। आजमी ने कहा कि सत्ता में रहते हुए आघाड़ी सरकार को ढ़ाई साल बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक मुसलमानों को 5 प्रतिशत आरक्षण नहीं मिल पाया है। उन्होंने कहा कि हज कमेटी के सीईओ की नियुक्ति एवं उसका गठन, मौलाना आजाद फाइनेंस कार्पोरेशन का गठन एवं कामकाज, वक़्फ़ बोर्ड का गठन, उर्दू अकादमी, अल्पसंख्यक विभाग का विकास, अल्पसंख्यक समुदाय के व्यवसाय जैसे पॉवरलूम, अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों से डंपिंग ग्राउंड हटाना और प्रदूषण फैलाने वाली कंपनियों को बंद करना, बजट में अल्पसंख्यक समुदाय एवं धर्मस्थलों के लिए ज्यादा बजट का प्रावधान जैसे कई मुद्दों पर सपा ने सदन में लगातार मामले उठाए और पत्र के जरिए मांग भी की, लेकिन सरकार की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की गई। आजमी ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि उनके इस पत्र का जवाब मिलेगा या नहीं।

पैगंबर मोहम्मद पर टीवी डिबेट के दौरान टिप्पणी

मुंबई पुलिस जल्द जारी करेगी समन

मुंबई : पैगंबर मोहम्मद पर टीवी डिबेट के दौरान टिप्पणी कर घिरीं नूपुर शर्मा की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। उनके खिलाफ इस बयान के मामले में पुलिस में केस दर्ज कराया गया था। अब मुंबई पुलिस जल्दी ही उन्हें समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाएगी। मुंबई पुलिस के कमिश्नर संजय पांडे ने यह बात कही है।

पांडे ने कहा कि ज्ञानवापी मसले पर टीवी डिबेट के दौरान टिप्पणी को लेकर मुंबई पुलिस जल्दी ही निलंबित की गई भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा को समन जारी करेगी और उनका बयान दर्ज करेगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जो भी जरूरी कार्रवाई होगी वह की जाएगी। विवादित बयान देने के बाद भाजपा ने रविवार को राष्ट्रीय प्रवक्ता नूपुर शर्मा को 6 साल के लिए निलंबित कर दिया। वहीं दिल्ली भाजपा के मीडिया प्रभारी नवीन कुमार जिंदल को भी निलंबित कर दिया गया। भाजपा ने कहा कि हम सभी धर्मों और उनके पूज्यों का सम्मान करते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने एक लेटर जारी कर कहा- भाजपा सभी धर्मों का सम्मान करने वाली पार्टी है। भाजपा की कार्रवाई के बाद नूपुर ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी कर कहा था कि मेरी मंशा किसी को दुख पहुंचाने की नहीं थी। मैं अपने शब्द वापस लेती हूं। नूपुर शर्मा और नवीन जिंदल के बयान पर कतर, कुवैत और ईरान ने भारतीय राजदूतों को तलब कर विरोध जताया है। कतर-कुवैत ने भारत सरकार से इस बयान पर माफी की मांग की है। वहीं, सऊदी अरब ने भी इस बयान पर ऐतराज जताया है। इस बीच 57 मुस्लिम देशों के इस्लामिक सहयोग संगठन ने भी इसकी निंदा की है।

मुंबई के नौ कारोबारियों को जुआ खेलना पड़ा मंहगा, छह महीने के लिए भेजे गए जेल

मुंबई : साल 2011 में ताज प्रेसिडेंट होटल के एक कमरे में रमी खेलने के आरोप में शहर के 9 व्यवसायियों को दोषी ठहराते हुए कोर्ट ने उन्हें 6 महीने की कैद की सजा सुनाई. बता दें कि महाराष्ट्र जुआ रोकथाम अधिनियम के तहत इन 9 व्यवसायियों पर होटल के कमरे में जुआ खेलने के लिए मामला दर्ज किया गया था. पुलिस ने आरोपियों के कमरे से 3.25 लाख रुपए बरामद किये थे. मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट एवी कुलकर्णी ने उनसे भविष्य में अच्छे व्यवहार का बॉन्ड न भरवाते हुए उन्हें 6 महीने जेल की सजा सुनाई. एसीपी वसंत धोबले ने घटना की जानकारी मिलने के बाद होटल के कमरे पर छापा मारा था. बता दें कि साल 2015 में रिटायर हुए धोबले ने अपने कार्यकाल के दौरान शहर में पब, रेस्तरां के खिलाफ कई देर रात छापेमारी के लिए सुर्खियां बटोरी थीं. 9 व्यापारियों को सजा सुनाते हुए मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने कहा कि

इस में कोई दोराय नहीं कि आरोपियों ने जुआ खेलने के लिए फाइव स्टार होटल बुक किया था. कोर्ट ने कहा कि 2011 में आरोपियों के पास से भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई थी. इस तथ्य को देखते हुए आरोपियों को 6 महीने की कैद और 2 हजार रुपए का जुर्माना लगाना पर्याप्त होगा.इन व्यवसायियों पर आरोप था कि 27 अगस्त 2011 की आधी रात को आरोपी अश्विन भंसाली और संदीप चालके होटल की छठी मंजिल पर रुके थे और होटल के कमरे को कॉमन गेमिंग हाउस के रूप में इस्तेमाल किया. दोषी पाए गए अन्य सात व्यवसायी नरेश येल्डी, सुरेश सबुला, केतन शाह, श्रवण जैन, रमेश राठौड़, मनोज जसानी और राज फड़ भी जुआ खेलने में शामिल थे.

हालांकि, आरोपियों के बचाव पक्ष में अधिवक्ताओं ने कहा कि पुलिस ने इस मामले में केवल आरोप पत्र दायर किया था, उन्होंने होटल के मैनेजर का बयान दर्ज नहीं किया था और इस मामले में कोई स्वतंत्र गवाह भी नहीं था. अभियोजन पक्ष ने पांच गवाहों से पूछताछ की, जिनमें से चार पुलिस वाले थे और छापे के दौरान एक पंच गवाह भी मौजूद थे.

अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष के लिए सबसे अच्छे गवाह शायद एसीपी किशोर नाथू घर्टे थे, जो छापेमारी दल के प्रभारी अधिकारी थे, जो ढोबले सहित दो अन्य एसीपी के साथ घटनास्थल पर गए थे. घर्टे ने कहा कि सभी आरोपी जुए में शामिल थे और उन्होंने आरोपी चालके के नाम पर होटल का कमरा बुक किया था. अदालत ने यह भी कहा कि केवल इसलिए कि ज्यादातर गवाह पुलिस विभाग से थे,

राज्यसभा चुनाव : अनिल देशमुख तथा नवाब मलिक के मतदान का फैसला 8 जून को

मुंबई : महाराष्ट्र से होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख तथा मंत्री नवाब मलिक के मतदान की अनुमति देने का फैसलामुंबई की विशेष अदालत 8 जून को देगी। इस मामले में आज अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को 7 जून तक अपना पक्ष रखने का आदेश दिया है। अनिल देशमुख तथा नवाब मलिक दोनों मनी लांड्रिंग मामले में न्यायिक हिरासत में हैं और दोनों को मुंबई में आर्थर रोड जेल में रखा गया है। महाराष्ट्र की छह सीटों के लिए 7 उम्मीदवार मैदान में हैं। इसलिए महाराष्ट्र के विधानभवन में 10 जून को चुनाव होने वाला है। इस चुनाव में मतदान करने की अनुमति के लिए काटोल विधानसभा क्षेत्र के विधायक व पूर्व मंत्री अनिल देशमुख तथा मुंबई के शिवाजीनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक तथा मंत्री नवाब मलिक ने विशेष अदालत में याचिका दाखिल की थी। इसी याचिका की सुनवाई आज विशेष अदालत में हुई। अदालत ने ईडी को कल तक अपना पक्ष रखने का आदेश जारी किया है। विशेष कोर्ट इस मामले में ईडी का पक्ष सुनने के बाद 8 जून को अपना फैसला सुनाएगा।

मास्क अनिवार्य नहीं लेकिन मास्क का उपयोग करने की अपील: अजित पवार

मुंबई : राज्य में एक बार फिर से कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है. मुंबई में हर दिन हजारों कोरोना मरीज दर्ज किए जा रहे हैं और 800 तक कोरोना मरीज दर्ज किए जा रहे हैं. लगातार कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ने से प्रशासन चिंतित है। वर्तमान में मास्क लागू नहीं हैं लेकिन भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क के इस्तेमाल की अपील की जा रही है। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने भी बढ़ते कोरोना की पृष्ठभूमि में नागरिकों से मास्क पहनने की अपील की है। अजित पवार ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा है कि वह जबरन मास्क नहीं लगाने की अपील कर रहे हैं. उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने एक कार्यक्रम के दौरान राज्य में बढ़ते कोरोना के हालात पर टिप्पणी की है. साथ ही मास्क का प्रयोग करने की अपील की है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कोरोना के बढ़ते प्रसार को लेकर समीक्षा बैठक बुलाई थी. बैठक में कोई निर्णय नहीं लिया गया लेकिन मास्क के उपयोग की अपील की गई है। इसके बाद अजीत पवार ने कार्यक्रम से फिर से मास्क लगाने की अपील की है. अजीत पवार ने कहा कि मुंबई में कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है. हमने अभी तक मास्क को जबरदस्ती नहीं बनाया है। लेकिन हमने अपील की है कि जहां ज्यादा भीड़ हो वहां। उस स्थान पर मास्क का प्रयोग करना चाहिए। उस जगह पर कोरोना मरीजों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़ जैसे घनी आबादी वाले इलाकों में कोरोना बढ़ रहा है।

दुनिया ने अनुभव किया है कि इसे विकसित करने में क्या खर्च होता है। इसलिए सावधानी बरतनी चाहिए। कोई तांबे की प्लेट नहीं लाए हम कोई तांबे की प्लेट नहीं लाए। कल और उसके बाद कोई और आएगा। जब हमें ऐसी जगह काम करने का मौका मिलता है तो हम अपने भाग्य को समझते हैं। जब मैं पद पर था तो मुझे भी अच्छा लगता है मैं किसी तरह इस विश्वविद्यालय की मदद करने में सक्षम था। अजित पवार ने कहा है कि अवसर आने पर हमें काम करने में सक्षम होना चाहिए।

राज्यसभा चुनाव से लौटे संभाजी राजे किस भूमिका की घोषणा करेंगे?

मुंबई : राज्यसभा चुनाव से नाम वापस लेने वाले संभाजी राजे छत्रपति (संभाजी भोसले) ने चलो रायगढ़ नारा दिया है. यानी 6 जून को सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वह दुगर्राज रायगढ़ से किस राजनीतिक भूमिका का ऐलान करने जा रहे हैं। अखिल भारतीय शिवराज्याभिषेक महोत्सव समिति द्वारा 5 व 6 जून को शिवराज्याभिषेक समारोह का आयोजन किया गया है। संभाजी राजे कल होने वाले कार्यक्रम में छत्रपति शिव भक्तों को संबोधित करेंगे। तो राज्यसभा

चुनाव से नाम वापस लेने के बाद उनकी अगली रणनीति क्या होगी? इसने पूरे राज्य का ध्यान खींचा है। संभाजी भोसले ने मराठा आरक्षण के विरोध का नेतृत्व किया था। इस नेतृत्व के कारण उन्हें आम लोगों का भरपूर समर्थन मिला। उन्होंने मराठा आरक्षण के लिए सरकार के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया। केंद्र और राज्य सरकारें गोलीबारी में फंस गईं। इसने उनके लिए एक स्वतंत्र प्रशंसक आधार बनाया है। मराठा आरक्षण को लेकर उनके साथ कई संगठन भी जुड़े रहे हैं। संभाजी राजे छत्रपति 11 जून 2016 को राष्ट्रपति कोटे से राज्यसभा सांसद बनीं। सांसद के रूप में उनका कार्यकाल 3 मई को समाप्त हो गया था। हालांकि, इस बीच, मराठा आरक्षण को लेकर भाजपा के साथ उनके संबंध तनावपूर्ण थे। महाराष्ट्र में छह राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव के बाद उन्होंने छठी सीट के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। इसके लिए उन्होंने कई नेताओं से मुलाकात भी की। इस अवधि के दौरान उन्होंने स्वराज्य संगठन की भी स्थापना की। शरद पवार ने आश्वासन दिया कि राज्यसभा की छठी सीट के लिए राकांपा के बचे हुए वोट संभाजी राजे को दिए जाएंगे. हालांकि, शिवसेना द्वारा छठी सीट के लिए उम्मीदवार उतारने की घोषणा के बाद, शरद पवार ने अपनी भूमिका बदल दी।

कल क्या होगा इसकी मुझे चिंता नहीं - पंकजा मुंडे

मुंबई : गोपीनाथ मुंडे पुण्यतिथि के अवसर पर गोपीनाथ दुर्ग स्मृति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज चौहान मौजूद रहे। इस बार पंकजा मुंडे विधान परिषद चुनाव पर टिप्पणी की। इस बार उन्होंने कहा, ''मेरी हार से बेहतर क्या हो सकता है?'' सत्त्व, तत्व, ममता मेरी राजनीति का आधार है। कई मुझसे पूछते हैं अब क्या? लेकिन मेरी चिंता मत करो। कल क्या होगा, हमें क्या मिलेगा? मुझे इसकी चिंता नहीं है। गोपीनाथ

मुंडे का संस्कार दिए गए अवसर को सुनहरा बनाना है। मैं अपनी हार को सोने में बदलने में सक्षम होने के अलावा और क्या चाहता हूं। यह हार मुझे दिल्ली ले गई। पंकजा मुंडे ने कहा कि शिवराज सिंह जैसे सात्विक लोगों को फायदा हुआ। इस बार उन्होंने महाविकास अघाड़ी सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि आपने मध्य प्रदेश में जो कीमिया है, वह किसी और राज्य ने नहीं किया है। आपने ओबीसी आरक्षण बनाए रखा। महाराष्ट्र सरकार को ऐसी बुद्धि और प्रेरणा मिले। शिवराज सिंह चौहान से प्रेरित होकर उन्हें ओबीसी के लिए आरक्षण मिलना चाहिए। पंकजा मुंडे ने कहा कि ओबीसी समुदाय को न्याय पाने के लिए आरक्षण की जरूरत है, राजनीति के लिए नहीं।

मेष राशि : आकस्मिक धन लाभ होने की संभावना है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। गुस्से पर नियंत्र और वाणी पर संयम रखें, अन्यथा वादविवाद हो सकता है। हितशत्रुओं से भी सावधान रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पठनपाठन में रुचि बढ़ेगी। घरपरिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन आय से अधिक व्यर्थ व्यय पर अंकुश लगाने की आवश्यकता है। बेकर के खर्चे बढ़ सकते हैं।

वृषभ राशि : मनोरंजन के भरपूर अवसर मिलेंगे। मित्रों के साथ पार्टी या पिकनिक पर जा सकते हैं। कारोबार में लाभ के अवसर रहेंगे। मानप्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। परिश्रम की अधिकता रहेगी। वस्त्राभूषण, वाहन तथा भोजन का अच्छा सुख प्राप्त होगा। घरपरिवार से अच्छा सहयोग मिलेगा, जिससे मन प्रफुल्लित रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूर्ण होंगे और नए अनुभव प्राप्त करेंगे। शादीशुदा जीवन अच्छा रहेगा। अचानक धन लाभ के योग हैं।

मिथुन राशि : प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त होगी। नौकरी और व्यावसायिक स्थल पर वातावरण अनुकूल रहेगा। भाईबंधुओं का सहयोग मिलेगा। शारीरिक रूप से स्वस्थता और मानसिक रूप से प्रफुल्लता का अनुभव करेंगे। घर का वातावरण आनंदप्रद रहेगा। सकारात्मक विचारधारा से काम करने पर सफलता मिलेगी। दूसरों को उनके कार्यों में सहयोग से प्रसन्नता मिलेगी। खानपान का ध्यान रखें और यात्रा पर जाने बचें, वरना नुकसान उठाना पड़ सकता है।

कर्क राशि : शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। आय में वृद्धि के योग रहेंगे। आर्थिक आयोजन भी अच्छी तरह से होंगे। कुछ पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। अधिनस्थ कर्मचारियों से इच्छानुसार सहयोग में कमी रहेगी। लालच से दूरी बनाए रखें, अन्यथा कार्यबाधा होने की संभावना रहेगी। वरिष्ठजनों से फटकार मिल सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों का सहयोग मिलेगा। मौसम के कारण स्वास्थ्य खराब रह सकता है।

सिंह राशि : आर्थिक लाभ मिलने की संभावना रहेगी। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। मातापिता और मित्रों से अच्छा सहयोग मिलेगा। खर्चों में वृद्धि होने से मानसिक रूप से भी परेशान रहेंगे। आलस्य, थकान, अशक्ति रहने के कारण अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। करेगी। कार्यप्रणाली में कुछ बदलाव की संभावना रहेगी। अनावश्यक बातों से ध्यान हटाएंगे, तो काम में सफलता मिलेगी। शादीशुदा जिंदगी ठीक रहेगी। यात्रा की संभावना रहेगी।

कन्या राशि : व्यवसायी अच्छा लाभ कमाएंगे। आमदनी बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे और अनुभवों का लाभ मिलेगा। कारोबार से जुड़ी यात्रा पर जा सकते हैं। सामाजिक रूप से मानसम्मान में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अनावश्यक खर्चों में वृद्धि से मन अशांत रहेगा। परिजनों और मित्रों से सहयोग मिलेगा। भाईबंधुओं के साथ संबंधों में निकटता आएगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र रहेंगे, सोचसमझकर कार्यों की शुरूआत करें।

तुला राशि : कार्यक्षेत्र में बाधाएं आएंगी, लेकिन अपने प्रयासों से कारोबार में मुनाफा और नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना है। कार्यभार की अधिकता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण और वाणी पर संयम बरतें, अन्यथा किसी से वादविवाद हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्च पर संयम रखने से निरर्थक खर्च टाल सकेंगे। बुजुर्गों का मार्गदर्शन लेना अच्छा रहेगा। शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। यात्राओं की संभावना रहेगी।

वृश्चिक राशि : धनप्राप्ति के योग रहेंगे। कारोबार में अच्छा मुनाफा मिलेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, लेकिन स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही है। आलस्य और तनाव बढ़ सकता है। मन में शांति एवं प्रसन्नता के भाव रहेंगे। पैसों को लेकर ज्यादा जोखिम न लें। स्वास्थ्य के प्रति सावधान रहें। आवश्यक कार्यों को पूर्ण करने में सफल होंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। परिवार में किसी से मनमुटाव हो सकता है।

धनु राशि : अनावश्यक खर्च अधिक होंगे, लेकिन आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के अवसर मिलेंगे। परिवारजनों के साथ कलह होने की संभावना है। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। कार्यों को समय पूर्ण करने में कठिनाई हो सकती है। भाईबंधुओं से इच्छानुसार सहयोग मिलेगा। पहले किए गए कामों के चलते लाभ प्राप्त करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण और वाणी पर संयम रखें। वाहन चलाते समय सावधान रहना आवश्यक है।

मकर राशि : कारोबार में आर्थिक लाभ मिलने की संभावना रहेगी। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा और तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आर्थिक योजनाएं भी सफलतापूर्वक संपन्न कर सकेंगे। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। मित्रों के साथ आनंदपूर्वक समय बिता सकते हैं। आशानिराशा के मिश्रित भाव मन में रहेंगे। नौकरी में आपको नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा।

कुम्भ राशि : कार्य क्षेत्र में प्रगति के अवसर में मिलेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही है। उच्च अधिकारियों पर आपके कार्य का सकारात्मक असर होने से आप पर प्रसन्न रहेंगे। कारोबार में लाभ प्राप्त करेंगे, लेकिन अनावश्यक खर्च की अधिकता से मन अशांत रहेगा। गुस्से पर काबू रखें। पिता के साथ संबंध प्रेमपूर्ण रहेंगे और उनसे लाभ भी होगा। परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता है।

मीन राशि : आय वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। सरकारी काम पूरे कर सकेंगे। कारोबार में अच्छा लाभ मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। विदेश यात्रा की संभावना है। बातचीत में संयत रहें। मित्रों से भेंट हो सकती है। व्यस्तता के चलते शारीरिक रूप से स्फूर्ति का अभाव व थकान का अनुभव होगा। संतान के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी और उनके साथ मतभेद भी हो सकता है। ससुराल पक्ष से मधुरता रहेगी।

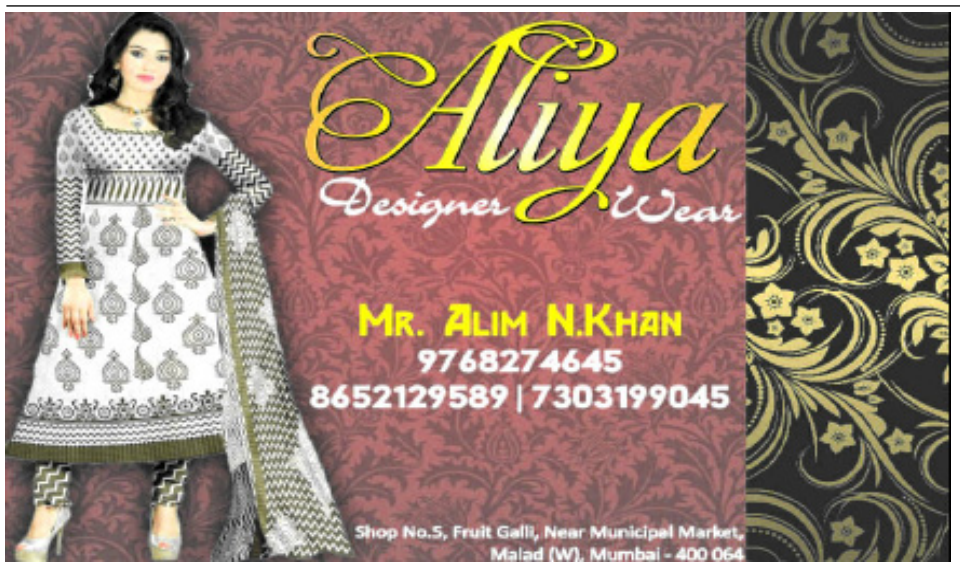

Naila Tours & Travels
Mohammad Rizwan Shaikh
8108682673
Abdul Rahim Shaikh
92245 65662
Shami Qureshi Chawl No.1, Room No.2, Group No.2
Hariyali Village, Near Fish Market, Vikhroli (E),
Mumbai-400083. Email : abdulrahim84@rediffmail.com

सचिन वझे को राहत !

एक केस में माफी और एक में मिली बेल... !

मुंबई : मुंबई पुलिस के बर्खास्त सहायक पुलिस निरीक्षक सचिन वझे को 100 करोड़ रुपए की वसूली के मामले में राहत मिली है। वझे के खिलाफ दर्ज 4 मामलों में से एक में उन्हें जमानत और दूसरे में माफी मिल गई है। वझे के अनिल देशमुख केस में सरकारी गवाह बनने के बाद मुंबई की विशेष कोर्ट ने माफी दे दी थी।

ईडी भी बना सकती है सरकारी गवाह

ईडी और सीबीआई दोनों ने कहा कि वझे ने देशमुख के आदेश के बाद ही वसूली की थी। इस प्रकार सीबीआई ने उन्हें क्षमादान देते हुए सरकारी गवाह बनने का प्रस्ताव दिया था, जिसे वझे ने स्वीकार कर लिया था। वझे ने इससे पहले ईडी मामले में जांच अधिकारी को पत्र लिखकर मंजूरी देने की मांग

की थी। यह संभावना है, कि वझे मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत स्पेशल कोर्ट के सामने जल्द ही सरकारी गवाह बनने के लिए आवेदन दायर करेगा।

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिख कर आरोप लगाया था, कि तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख ने वझे को हर महीने मुंबई और उसके आसपास के विभिन्न रेस्तरां और बार से 100 करोड़ रुपए वसूलने के लिए कहा था।

खारिज हो चुकी है जमानत याचिका

पिछले साल 2021 में एंटीलिया केस और व्यवसायी मनसुख हिरेन की मौत के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सचिन वझे को गिरफ्तार किया था। गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत वझे और कुछ अन्य के खिलाफ आरोप लगे हैं। इस केस में भी वझे मुख्य आरोपी हैं और इसलिए वे सरकारी गवाह नहीं बन सकते या उन्हें क्षमा नहीं दी जा सकती। जमानत अर्जी भी एनआईए की विशेष अदालत ने खारिज कर दी थी।

युगांडा की महिला के शरीर से निकाले गए

तीन करोड़ के ड्रग्स... !

मुंबई : मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर युगांडा की एक महिला को 49 कैप्सूल में 535 ग्राम हेरोइन और 15 कैप्सूल में 175 ग्राम मादक पदार्थ के साथ पकड़ा गया है. स्वापक नियंत्रण ब्यूरो ठउइ के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. अधिकारी ने बताया कि अवैध बाजार में तीन करोड़ रुपये की कीमत के मादक पदार्थ महिला के शरीर में छिपाए गए थे. उन्हें शरीर से बाहर निकालने के लिए महिला को भायखला के सरकारी जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया था.

पहले ही मिल गई थी सूचना

उन्होंने बताया कि युगांडा से मुंबई में एक संदिग्ध महिला के आने की सूचना मिली थी. जिस आधार पर 28 मई को चलाए गए एक अभियान के तहत उसे पकड़ा गया था. अधिकारी ने बताया, महिला का पता लगाने के बाद उसके सामान में जांच के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला. बारीकी से जांच

अस्पताल में करना पड़ा था भर्ती

करने पर पता चला कि वह अपने शरीर में मादक पदार्थ छिपाकर ले जा रही थी.

उन्होंने कहा लगातार पूछताछ करने पर महिला ने स्वीकार किया कि विभिन्न प्रकार के चिपकने वाले टेप के उपयोग से उसके शरीर में 11 कैप्सूल छिपाए गए थे. 110 ग्राम हेरोइन युक्त कम से कम 10 कैप्सूल हटा दिए गए थे और बाकी को निकालने के लिए जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

कुल 54 कैप्सूल निकाले गए

NCB अधिकारी ने बताया कि 28 मई से कुल 54 कैप्सूल निकाले गए है. जिसमें 425 ग्राम हेरोइन के 39 कैप्सूल, 175 ग्राम कोकीन वाले 15 कैप्सूल शामिल थे. उन्होंने बताया कि फिलहाल महिला को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है. महिला को तस्करी रैकेट के मामले में जांच के लिए ठउइ कार्यालय लाया जाएगा.

ठाणे मनपा सम्मानित

ठाणे, शिवसेना पक्षप्रमुख व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे तथा पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे के पर्यावरण प्रेम की सराहना पूरी दुनिया कर चुकी है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे तथा पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे पर्यावरण हितकारी योजनाओं को सदैव प्रोत्साहन देते हैं। इसका प्रमाण है 'मेरी वसुंधरा अभियान।'

प्रति वर्ष की तरह राज्य सरकार के पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं की प्रतियोगिता में ठाणे मनपा द्वारा किए गए विशेष कार्यों के लिए मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की उपस्थिति में मनपा को सम्मानित किया गया। मनपा को सम्मानित किए जाने के बाद मनपा का काम बोलता है, ऐसी चर्चा शहर भर में हो रही है। बता दें कि महाराष्ट्र राज्य सरकार के पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा प्रति वर्ष पंचतत्व बचाव के लिए किए गए विशेष कार्यों को लेकर स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं की प्रतोयोगिता का आयोजन किया जाता है। वर्ष २०२१ में ठाणे मनपा को मेरी वसुंधरा प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला था। वहीं मेरी वसुंधरा प्रतियोगिता २०२२ के दौरान कोकण विभाग स्तर पर ठाणे मनपा को विशेष कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इस दौरान महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे सहित उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, राजस्व मंत्री बालसाहेब थोरात मौजूद थे। ठाणे मनपा आयुक्त डॉ. बिपिन शर्मा को शिवसेना नेता व पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे के हाँथों पुरस्कार सौंपा गया।

आगामी पांच दिनों में राज्य के कई हिस्सों में बारिश!

मुंबई, मौसम विभाग ने महाराष्ट्र में मानसून के जल्द पहुंचने और खासकर ७ जून तक मुंबई में बारिश होने की भविष्यवाणी की थी। हालांकि प्रतिवूष्ठल परिस्थितियों के कारण बदरा पिछले चार दिनों से कर्नाटक के कारवार में ठहर गए हैं। इन सबके बीच बारिश को लेकर एक बार फिर से नया अनुमान सामने आया है। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि आगामी पांच दिनों में राज्य के कई हिस्सों में बारिश हो सकती है। बता दें कि अरब महासागर से मानसून ने २९ मई को केरल में प्रवेश किया था। केरल से आगे बढ़ते हुए मानसून ३१ मई को कर्नाटक तक पहुंच चुका है, वहीं मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की थी कि गोवा से थोड़ी दूरी पर अनुवूष्ठल जलवायु के कारण मानसून सिर्पष्ठ दो दिनों में केरल पहुंच जाएगा। लेकिन मौसम में अचानक आए बदलाव ने दक्षिण-पश्चिम मानसूनी हवाओं के महाराष्ट्र में प्रवेश में बाधा उत्पन्न कर दी।

हजारों कुंतल गेहूं सड़ गया

मुंबई, गेहूं के निर्यात को लेकर अमेरिका और यूरोपीय देशों की नाराजगी मोल ले चुके हिंदुस्थान का हजारों कुंतल गेहूं गोदी (बंदगाह) में ही पड़े-पड़े सड़ गया। इसका खुलासा तब हुआ जब तुर्किए पहुंचने पर वहां की सरकार ने गेहूं को खराब बताकर लेने से इंकार कर दिया। पहले से ही पाकिस्तान परस्त तुर्किए की सरकार द्वारा हिंदुस्थानी गेहूं पर रूबेला दाग लगाए जाने के बाद उक्त गेहूं को मिस्त्र की सरकार ने भी लेने

से न कह दिया है। नतीजतन गेहूं लदा जहाज अब नए खरीददार की तलाश में अफ्रीकी देशों की ओर रवाना हो गया है। यानी हिंदुस्थानी गेहूं के खरीददार के लिए समंदर में गेहूं-गेहूं की आवाज लगाई जा रही है। बता दें कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया के अधिकांश देश हिंदुस्थान पर निर्भर हो गए। इस अवसर को भूनाने के मकसद से मोदी सरकार ने प्रारंभ में मिस्त्र, चीन, तुर्की, सूडान, बोस्निया, नाईजीरिया, ओमान, दक्षिण अफ्रीका और ईरान जैसे देशों के साथ प्रक्रिया आगे बढ़ाकर इस दिशा में प्रयास भी शुरू किया था। हिंदुस्थान ने गेहूं का एक्सपोर्ट बढ़ा दिया था। हिंदुस्थान ने मार्च में समाप्त हुए वित्त वर्ष में ७.८५ मिलियन टन गेहूं का निर्यात किया है, जो कि उससे पहले के वर्ष में महज २.१ मिलियन टन था।

क्रांतिकारी
KRANTIKARI
जय हिंद सेना
JAI HIND SENA
ॲड. आर. एन. कच्छवे
संस्थापक / राष्ट्रीय महासचिव
Mob. : 9821387099 , 9224799546,
Head : 27/28, 2nd floor, IDA Mansion, 18-Vaju Kotak Marg, Fort, Mumbai - 400 001.
website : krantikarijaihindsena.com,
E-mail : kramchandra2010@gmail.com

महाराष्ट्र क्राईम्स
मुंबई, 05 जून 2022

बॉबी देओल संग बोल्ड सीन्स पर बोलीं ईशा गुप्ता

प्रकाश झा की सुपरहिट वेब सीरीज 'आश्रम' के तीसरे सीजन में ईशा गुप्ता एक्टर बॉबी देओल के साथ काम करती नजर आईं। ऐसा पहली बार हुआ जब बॉबी और ईशा एक साथ किसी प्रोजेक्ट में नजर आए। सीरीज में ईशा गुप्ता ने बॉबी देओल के साथ कई इंटीमेट और इंटेंस सीन दिए हैं जिनके बारे में उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलकर बात की। ईशा गुप्ता ने बताया कि इंटीमेट होना उनके लिए कोई खास दिक्कत की बात नहीं थी, उन्हें फिक्र इस बात की थी कि वह उन सीन्स को जस्टिफाई कर पाएं।

10 साल बात कुछ अनकंफर्टेबल नहीं रह जाता

बॉलीवुड लाइफ के साथ बातचीत में जब ईशा गुप्ता से पूछा गया कि क्या वह उन इंटीमेट सीन्स को लेकर सहज थीं तो उन्होंने बताया, 'जब आप 10 साल तक इंडस्ट्री में काम कर चुकते हैं तो कंफर्टेबल या अनकंफर्टेबल जैसा कुछ भी नहीं रह जाता। लोगों को लगता है कि दिक्कत इंटीमेट होने में है, लेकिन ऐसा नहीं है। जब तक कि ये आपकी निजी जिंदगी की दिक्कत ना बन जाए, इंटीमेट होने में कोई दिक्कत नहीं है।'

शायद पहली बार दिक्कत हुई होगी ईशा गुप्ता ने बताया, 'हम इस बारे में बहुत ओपन हैं। एकमात्र परेशानी ये है कि हर एक सीन बहुत मुश्किल होता है, चाहे आप रो रहे हैं या फिर स्क्रीन पर ड्राइव कर रहे हैं। शायद जब मैंने पहली बार शूट किया था तब मेरे लिए इंटीमेसी एक दिक्कत रही होगी। लेकिन जब आप एक अच्छे और मैच्योर इंसान के साथ शूट कर रहे होते हैं तो आपको कोई दिक्कत नहीं आती है।'

मामला इंटीमेसी का है ही नहीं

ईशा गुप्ता ने कहा, 'अब इंडस्ट्री में रहते रहते जब लोग इतना आगे बढ़कर काम कर रहे हैं, तो मुझे लगता है कि फिल्मों की तुलना में वो ओटीटी पर कुछ भी नहीं दिखा रहे हैं। तो मुझे लगता है कि मामला इंटीमेसी का है ही नहीं। बात बस इतनी सी है कि आप इसमें खुशी महसूस करते हैं या नहीं।' बता दें कि ब्लॉकबस्टर सीरीज 'आश्रम' में बॉबी देओल एक ढोंगी साधु का रोल प्ले करते हैं।

शाहरुख ने लियाम की 'डार्कमैन' से कॉपी किया 'जवान' का लुक?

एक्टर शाहरुख खान ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'जवान' की अनाउंसमेंट की है। इसके साथ ही इस फिल्म से शाहरुख ने अपना फर्स्ट लुक टीजर भी रिलीज किया है। टीजर रिलीज होने के बाद से शाहरुख का इस फिल्म से फर्स्ट लुक सोशल मीडिया पर काफी वायरल है। अब फिल्म से शाहरुख के लुक को लेकर उन्हें ट्रोल भी किया जा रहा है। यूजर्स कह रहे हैं कि शाहरुख ने साल 1990 में रिलीज हुई लियाम नीसन की सुपरहीरो फिल्म 'डार्कमैन' का लुक 'जवान' में कॉपी किया है।

पट्टियों में लिपटे नजर आए शाहरुख

शाहरुख ने सोशल मीडिया पर टीजर शेयर कर 'जवान' की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट भी की थी। टीजर के कैप्शन में उन्होंने लिखा था, ''एक एक्शन पैक्ड फिल्म 2 जून 2023 को सिनेमाघरों में हम आपके लिए लेकर आ रहे हैं 'जवान'।'' इस टीजर में शाहरुख घायल और पट्टियों में लिपटे हुए नजर आ रहे हैं। शाहरुख का फिल्म से यह लुक फैंस को काफी पसंद आया है। वहीं कई यूजर्स लुक को लेकर शाहरुख को ट्रोल भी कर रहे हैं।

शाहरुख ने 'डार्कमैन' से कॉपी किया लुक

दरअसल, शाहरुख की 'जवान' का टीजर देखने के बाद कई यूजर्स ने उनके इस बैंडेज वाले लुक को 'डार्कमैन' से कम्पेयर करना शुरू कर दिया। इस फिल्म में लियाम नीसन के किरदार को जिंदा जलाने के बाद मरने के लिए छोड़ दिया गया था। इसके बाद वे अपनी जली हुई बॉडी के निशानों को छिपाने के लिए बैंडेज का सहारा लेता है। फिर वे उन लोगों से बदला लेने के लिए वापस आता है, जिन्होंने उसे मारने की कोशिश की थी। शाहरुख का भी 'जवान' में ऐसा ही लुक है। हालांकि, फिल्म की स्टोरी के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। कई यूजर्स ने लियाम और शाहरुख के दोनों लुक की फोटो शेयर कर तुलना की है और बताया है कि दोनों दिखने में कितने समान हैं। एक यूजर ने लिखा, ''शाहरुख जी.हॉलीवुड फिल्म डार्कमैन (1990) नहीं देखी?'' दूसरे ने लिखा, ''एक और कॉपी-रीमेक, जवान-डार्कमैन। निश्चित रूप से इन्होंने कहानी के बीच में कुछ बॉलीवुड तड़का, मिर्च मसाला, रोमांस, आइटम सॉन्ग डाला होगा।'' कई यूजर्स ने ये भी सवाल किए कि 'जवान' हॉलीवुड मूवी 'डार्कमैन' का हिंदी रीमेक है। 'डार्कमैन' ने 1990 में बॉक्स ऑफिस पर 48 मिलियन डॉलर कमाए थे और उस वक्त की ये बेहतरीन फिल्मों में से एक थी।

हिंदी समेत 5 भाषाओं में रिलीज की जाएगी 'जवान'

बता दें कि 'जवान' को हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ समेत पांच भाषाओं में रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस 'रेड चिलीज एंटरटेनमेंट' के बैनर तले ही बन रही है। एटली इस एक्शन पैक्ड फिल्म का डायरेक्शन कर रहे हैं। फिल्म को शाहरुख की पत्नी गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है।

अल्लू अर्जुन ने की 'मेजर' की तारीफ

फिल्म 'मेजर' पहले दिन दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही। यह फिल्म मेजर संदीप उन्नीकृष्णन की प्रेरणादायक सफर को दिखाता है जो कि 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दौरान शहीद हो गए थे। अदिवी शेष और सई मांजरेकर को फिल्म में उनकी शानदार एक्टिंग के लिए खूब सराहना मिल रही हैं। इन कलाकारों ने अपनी एक्टिंग से दर्शकों और आलोचकों को समान रूप से प्रभावित किया ही है। अब 'पुष्पा' फेम एक्टर अल्लू अर्जुन ने भी उनकी तारीफ की है। अल्लू अर्जुन ने मेजर को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया

पूरी टीम को दी बधाई

अल्लू अर्जुन ने फिल्म में अदिवी और सई के अभिनय को पावरफुल बताया। अल्लू अर्जुन, अदिवी और सई के परफॉर्मेंस से इस कदर प्रभावित हुए हैं कि उन्होंने अदिवि को 'मैन ऑफ द शो' और सई को इंपैक्टफुल परफॉर्मर कहा। इस बारे में अपने सोशल मीडिया पेज पर अल्लू अर्जुन लिखते हैं, 'मेजर की पूरी टीम को बहुत-बहुत बधाई। बहुत ही दिल को छू लेने वाली फिल्म। मैन ऑफ द शो अदिवी शेष और सई एक बार फिर अपना जादू बिखेर रहे हैं। निर्देशक शशि टिक्का का बेहतरीन काम। खूबसूरत तरीके से बनाई गई। दर्शकों को इतना दिल को छू लेने वाला अनुभव देने के लिए महेश बाबू को बहुत-बहुत बधाई और मेरा व्यक्तिगत सम्मान। 'मेजर : एक कहानी' हर भारतीय के दिल को छू जाती है।'

राज्यसभा चुनावः

महा विकास अघाड़ी ने सभी विधायकों को मुंबई बुलाया...

छठी सीट ने बढ़ाई टेंशन!

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में 10 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव के मद्देनजर शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस की महा विकास आघाड़ी (एमवीए) ने 7 जून को मुंबई में अपने सभी विधायकों की बैठक बुलाई है। उधर, रेल मंत्री और राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा के पर्यवेक्षक अश्विनी वैष्णव ने रविवार को राज्य के भाजपा नेताओं के साथ बैठक की। शिवसेना नेता और राज्य सरकार में मंत्री उदय सामंत ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि एमवीए के सभी चार उम्मीदवार आराम से चुनाव जीतेंगे। उन्होंने कहा, 'चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। मुझे नहीं पता कि भाजपा में तीन उम्मीदवार उतारने की हिम्मत कहां से आ रही है।'महाराष्ट्र से छठी राज्यसभा सीट के लिए चुनावी मुकाबला भाजपा के धनंजय महादिक और शिवसेना के संजय पवार के बीच है। राज्य से कुल छह सीट के लिए हो रहे चुनाव में भाजपा ने तीन, शिवसेना ने दो और कांग्रेस व एनसीपी ने एक-एक उम्मीदवार उतारे हैं। कांग्रेस नेता और राज्य सरकार में मंत्री सतेज पाटिल ने मीडिया से कहा कि 10 जून को स्पष्ट हो जाएगा कि कितने विधायक एमवीए के साथ हैं। सूत्रों के मुताबिक, चुनाव होने तक शिवसेना (55), एनसीपी (52) और कांग्रेस (44) के सभी विधायक मुंबई में एक साथ रहेंगे। चार प्रमुख दलों के अलावा राज्य विधानसभा में निर्दलीय और छोटे दलों के 25 विधायक हैं।

बीजेपी ने सेट किया पूरा प्लान...

उधर, दक्षिण मुंबई स्थित भाजपा कार्यालय में हुई बैठक में हिस्सा लेने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता आशीष शेलार ने कहा कि चुनावी रणनीति को अंतिम रूप दे दिया गया है। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता देवेंद्र फडणवीस बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए, क्योंकि वह कोरोनो वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद पृथकवास में हैं। उन्होंने कहा कि सभी विधायकों को अपने विवेक के अनुसार मतदान करना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल भी मैदान में

सदन में 106 सदस्यों वाली भाजपा ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, अनिल बोंडे और धनंजय महादिक को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, एनसीपी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल और कांग्रेस ने इमरान प्रतापगढ़ी को मैदान में उतारा है। संजय राउत और संजय पवार राज्यसभा चुनाव में शिवसेना के प्रत्याशी हैं।

सरकारी अफसरों की खान है ये खाँन परिवार

(पेज १ का शेष....)

ये शिक्षा विभाग में विशेष शासन सचिव, दौसा जिला कलेक्टर व दरगाह नाजिम भी रहे हैं। 2018 में रिटायर हो गए।

3. जाकिर खान, आईएएस

जाकिर खान भी बड़े भाई लियाकत खान व अशफाक हुसैन की राह पर चले और 2018 में सीधे आईएएस बने। वर्तमान में जिला श्रीगंगानगर में कलेक्टर हैं।

4. शाहीन खान, आरएएस

लियाकत खान के बेटे शाहीन खान सीनियर आरएएस अधिकारी हैं। वर्तमान में सीएमओ में पोस्टेड हैं। इससे पहले अशोक गहलोत के ओएसडी भी रह चुके हैं।

5. मोनिका, डीआईजी जेल

शाहीन खान की पत्नी मोनिका भी अफसर हैं। इनका चयन जेल अधीक्षक के रूप में हुआ था। वर्तमान में मोनिका डीआईजी जेल जयपुर के पद पर कार्यरत हैं।

6. शाकिब खान, ब्रिगेडियर, भारतीय सेना

लियाकत खान के भतीजे शाकिब खान इंडियन आर्मी में ब्रिग्रेडियर हैं। वर्तमान में हिसार पोस्टेड हैं।

7. सलीम खान, आरएएस

लियाकत खान के भानजे सलीम खान सीनियर आरएएस अधिकारी हैं। ये उप शासन सचिव शिक्षा के पद पर जयपुर में कार्यरत हैं।

8. शना खान, आरएएस

सीनियर आरएएस अधिकारी सलीम खान की पत्नी शना खान भी आरएएस अधिकारी हैं। ये राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान जयपुर में पदस्थापित हैं।

9.फराह खान, आईआरएस

फराह खान अपने पिता के नक्शे कदम पर चलीं और उनसे भी एक कदम आगे निकल गईं। इनको साल 2016 में आल इंडिया स्तर पर 267वीं रैंक मिली थी। तब इन्हें राजस्थान से आईएएस बनने वाली दूसरी मुस्लिम महिला होने का गौरव भी प्राप्त हुआ। वर्तमान में फराह जोधपुर में पोस्टेड हैं।

10. कमर उल जमान चौधरी, आईएएस

आईएएस अधिकारी फराह खान के पति कमर उल जमान चौधरी भी राजस्थान कैडर के आईएएस है। ये मूलरूप से जम्मू कश्मीर के रहने वाले हैं। वर्तमान में जोधपुर कार्यरत हैं।

11. जावेद खान, आरएएस

आरएएस अधिकारी सलीम खान के बहनोई जावेद खान भी आरएएस हैं। ये जयपुर में मंत्री सालेह मोहम्मद के पीएस के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

12. इशरत खान, कर्नल, भारतीय सेना

भारतीय सेना में ब्रिगेडियर शाबिक की बहन इशरत खान कर्नल हैं। 17 साल पहले इन्हें भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल के पद पर कमिशन मिला था। फिर पदोन्नति पाकर कर्नल बन गईं।

हमें इस परिवार पर गर्व

गांव नूआं के जावेद खान बताते हैं कि हमे लियाकत खान साहब के परिवार पर गर्व है। हमारे में गांव का यह अफसरों वाला परिवार अन्य परिवारों के लिए प्रेरणास्रोत है। तालीम की ताकत क्या होती है वो इस परिवार ने साबित कर दिखाया।

कर्नल जकी अहमद खान

कर्नल जकी अहमद खान इस परिवार में सर्वप्रथम आफिसर बने। 1972 में इनका चयन लेफ्टिनेन्ट के पद पर हुआ। आपने कर्नल के पद तक भारतीय सेना में अपनी सेवा दी।

शफीक अहमद खान

शफीक अहमद खान भारतीय लेखा एवं लेखापरीक्षा विभाग में वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर कार्यरत रहे हैं। ये वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, शासन सचिवालय, राजस्थान के पद से 2016 में रिटायर्ड हुए हैं।ब्रिगेडियर शाकिब हुसैन एव कर्नल इशरत खान कर्नल जकी अहमद खान के पुत्र पुत्री हैं।

मुलुंड पोलीस ठाणे के प्रभारी ...

(पेज १ का शेष....)

एक हरफनमौला, कर्तव्यकठोर, अनुशासन प्रिय अधिकारी कि ख्याती रखने वाले श्री कोथिंबिरे को यहाँ के अवैध धंदे वालो ने भ्रष्ट बना दिया.

दिनांक ०७/०५/२०२२ को महाराष्ट्र क्राईम्स के संपादक श्री. सिराज चौधरीने मुलुंड पोलीस ठाणे के कार्यक्षेत्र मे आर गोरा, नामक स्पा मसाज पार्लर के खिलाफ लिखित शिकायत की. आर गोरा स्पा 30 निर्मल अविओर बिल्डींग, एल.बी. एस. मार्ग मुलुंड (पश्चिम) दीप मंदिर के बाजूमे मुंबई - ४०००८० (मोबाईल नंबर ७२०८४८३०३१) और इसके मालकिन का नाम राजश्री मोबाईल नंबर (९७६९५३६२२८) है. राजश्री नामक महिला आर गोरा स्पा मसाज पार्लर के आड में सिर्फ देहव्यापार का अवैध व्यापार करती है, ऐसी हमे जानकारी मिलने के बाद का सत्य जाने हेतू महाराष्ट्र क्राईम के एक प्रतिनिधी एक खुफीया कॅमेरे के साथ इस ' आर गोरा' मसाज पार्लर में भेजा गया. इस मसाज पार्लर में बॉडी मसाज के नाम पर ग्राहकों से रुपये ऐंठ कर गरीब लाचार महीला व लड़कियों के साथ हम बिस्तर होने का मजा चखाया जाता है. यहां पर चल रही सभी गतिविधियों को महाराष्ट्र क्राईम्स के प्रतिनिधि ने खुफिया कॅमेरे में कैद कर लिया है. हमने एक मेमरी कार्ड में डाउनलोड करके इसकी शिकायत अर्जी के साथ जोडकर दिनांक- ०५/०७/ २०२२ को मुलुंड पोलीस ठाणे प्रभारी श्री. कांतीलाल कोथिंबिरे को सौंप दिया.

इस शिकायत अर्जी को पढ़कर और मेमरी कार्ड मे दिख रहे 'आर गोरा' के अंदर चल रहे अवैध घटना को देखकर 'आर गोरा' मसाज पार्लर और उसकी संचालिका मालकिन महिला श्री राजश्री पर सबसे सक्त कारवाई की अपेक्षा थी. लेकिन जैसे की हमने पहले लिखा है, रुपयों की लालच मे श्री कोथिंबिरे की आंख मे मोतियाबिंदूओके कारण जो पर्दा आया है. उसकी वजह से श्री कोथिंबिरीने 'आर गोरा' की संचालिका मालकिन राजश्री को 'आर गोरा' नाम बदलने को कहा. ताकि यदि हम या कोई और 'आर गोरा' मसाज पार्लर पर कोई कानून कारवाई के बारे में पूछे तो यह उत्तर दिया जायेगा कि, यहां पर 'आर गोरा' नामक कोई स्पा मसाज पार्लर है ही नही. प्रभारी श्री कांतीलाल कोथिंबिरे ने यह चालाकी सिर्फ रुपयों की लालच मे की है. ऐसा ही चलता रहा तो मुलुंड पुलिस् थाना एक भ्रष्ट और बदनाम पुलिस थाने की यादी में शीर्ष स्थान पर रहेगा, इस में कोई संदेह नहीं. बात तो यह है कि यहाँ एक ही जगह पर मुलुंड पुलीस थाना,सहाय्यक पोलिस कमिशनर (ए.सी.पी.) और सह पुलीस कमिशनर (डी.सी.पी.) का कार्यालय स्थित है. बृहन्मुंबई पुलीस कमिशनर श्री. संजय पांडे साहब और अँटी करप्शन विभाग से हमारी प्रार्थना एवं निवेदन हैं की, मुलुंड पुलिस थाणे के प्रभारी श्री. कांतीलाल कोथिंबिरे के रुपयों की लालची मोतिया बिंदू का ऑपरेशन जल्द से जल्द करे.ताकि उनके आँखो पर आया परदा निकल कर उन्हे अच्छी दृष्टी प्राप्त हो और एक हरफनमौला, अनुशासन प्रिय अधिकारी मुलुंड पुलीस थाना को गौरवान्वित करे.

विश्व पर्यावरण दिन के अवसर पर कासारी नदी का गला घोटा गया

(पेज १ का शेष....)

इस बारे में खबर प्रकाशित हुई थी. कुछ दिन के लिये काम बंद हुआ लेकिन मामला शांत होते ही इन समाजकंटक ने विश्व पर्यावरण दिन के अवसर पर कासाडी नदी में रसायन से भरे टँकर खाली करने की शुरूवात की. कळंबोली पुलिस थाणे के मार्शल दिन रात कलंबोली परिसर मे हमेशा चक्कर काटते रहते है. उनको यह दृश्य दिखाई नही देता है. यह हैरान करने वाली बात है. हम तो आरोप करते है कि कळंबोली पुलिस थाणे प्रभारी श्री संजय पाटील की समाजकंटकों के साथ सांठगांठ के बिना संभव नही है. आज पनवेल तालुका क्षेत्र मे पानी की किल्लत है. जनता को टँकर से पानी दिया जा रहा है.यह पानी कुओं से लिया जाता है. रसायन नदी मे घुलने की वजह से आसपास के कुओं का पानी भी खराब हुआ है. इसकी वजह से कलंबोली के नागरिको के स्वास्थ को खतरा बढ़ गया है. इन समाजकंटक के साथ साथ बात करने वाले कलंबोली पुलिस थाना प्रभारी श्री संजय पाटील पर सख्त कानूनी कारवाई करने की मांग यहां की जनता कर रही है.

यह समाचार पत्र मासिक महाराष्ट्र क्राईम्स मालिक,मुद्रक प्रकाशक सिराज चौधरी द्वारा राजीव प्रिंटर्स,४९६,पंचशील नगर१, नागसेन बुद्ध मंदिर रोड नं३, तिलक नगर, चेम्बुर, मुंबई४०००८९ से मुद्रित करवा कर ८/ऐ/१६९/२७०२/टागोर नगर, विक्रोली (पू),मुंबई४०००८३ से प्रकाशित किया ।

संपादक सिराज चौधरी मो. ९७७३६२२९६७